

खाना पुं. (फा.) 1. घर, मकान, आलय 2. किसी चीज़ को रखने का स्थान, केस 3. आलमारी, मेज या संदूक आदि में चीज़ें रखने के लिए पटरियों या तख्तों के द्वारा किया हुआ विभाग 4. सारिणी या चक्र का विभाग, कोष्ठक।

खाना-पीना पुं. (देश.) खाने-पीने का व्यवहार, खान-पान।

खाना पूरी स्त्री. (देश.) 1. सारणी चक्र आदि के कोठों में यथास्थान अभिप्रेत या अभीष्ट स्थानों में संख्याएँ आदि भरना 2. नक्शा करना 3. केवल दिखावे के लिए बेमन से काम करना।

खानाबदोश वि. (फा.) जिसके रहने या ठहरने का कोई निश्चित स्थान न हो, यायावर।

खानि स्त्री. (तत्.) 1. खान, खदान 2. उत्पत्ति, वह स्थान जहाँ कोई वस्तु, अधिकता से हो, खजाना।

खानिल पुं. (तत्.) सेंध मारने वाला तस्कर।

खानोदक पुं. (तत्.) नारियल का वृक्ष।

खाप पुं. (देश.) चोट, वार, आघात।

खापगा स्त्री. (तत्.) आकाश गंगा।

खापट स्त्री. (देश.) वह भूमि जिसमें लोहे का अंश अधिक हो तथा केवल धान ही पैदा हो पाता है।

खामखयाल पुं. (फा.) व्यर्थ के विचार, गलत विचार।

खामखयाली स्त्री. (फा.) गलत धारणा, व्यर्थ का विचार।

खामना स.क्रि. (देश.) 1. गीली मिट्टी या आटे आदि से किसी पात्र का मुँह बंद करना 2. गोंद लगाकर लिफाफे का मुँह बंद करना।

खामियाजा पुं. (फा.) 1. अँगड़ाई 2. जंभाई 3. शिकंजे में कसकर दंड देना, दंड 4. करनी का फल, परिणाम 5. बदला 6. कष्ट 7. हानि मुहा. खामियाजा उठाना-करनी का फल, दंड पाना 8. पुं. (फा.) परिणाम, नतीजा।

खामी स्त्री. (फा.) 1. कमी, अपूर्णता, त्रुटि 2. कच्चाई, कच्चापन।

खामोश वि. (फा.) चुप, मौन, शांत जैसे- मूर्खों के बीच खामोश रहना ही अच्छा होता है।

खामोशी स्त्री. (फा.) मौन, चुप्पी।

खार पुं. (तत्.-क्षार) क्षार, खारा पदार्थ, नोनी मिट्टी, कल्लर, रेह, धूल, भस्म, राख, एक प्रकार की झाड़ी जिसे जलाने पर खार नामक पदार्थ निकालते हैं (फा.) 1. दूसरों की उन्नति देखकर मन में होनेवाला दुख, द्वेष, जलन, डाह 2. काँटा, फाँस, मुर्गा, तीतर आदि के पाँव का काँटा मुहा. खार खाना- डाह करना, जलना; खार गुजरना- मन में बुरा लगना; खार निकालना- मन में छिपे द्वेष के कारण किसी को कष्ट पहुँचाकर सुखी होना।

खारा पुं. (फा.) 1. कड़ा पत्थर, चट्टान 2. खार, लहरदार रेशमी कपड़ा वि. (तद्.) 1. जिसमें क्षार का अंश या गुण हो 2. जो क्षार के मिलने से कुछ नमकीन स्वाद रखता हो 3. अप्रिय या अरुचिकर पुं. (तद्.) 1. घास या सूखे पत्ते बाँधने की जाली 2. बड़ा टोकरा, झाबा 3. एक धारीदार कपड़ा।

खारिक पुं. (फा.) 1. ताजा खजूर का फल, जो ज्यादा पकने पर मेवा बनता है 2. फारस की खाड़ी का एक टापू।

खारिक वि. (अर.) फाड़नेवाला, निदारक।

खारिज वि. (अर.) 1. प्रार्थना पत्र, जो अस्वीकृत, अलग किया हुआ हो 2. बाहर किया हुआ, बहिष्कृत, अलग किया हुआ मुहा. खारिज करना- विचार के अयोग्य मानना/नामंजूर।

खारिजी वि. (अर.) 1. बाहरी, विदेश संबंधी, बाह्य 2. मुसलमानों के लिए उपेक्षा सूचक शब्द।

खारिश स्त्री. (फा.) खुजली, खाज, कंझ।

खारिशत स्त्री. (फा.) दे. खारिश।

खारी स्त्री. (तद्.) 1. खारी नमक जो दवा के काम आता है 2. चार अथवा सोलह द्रोण की पुरानी तौल वि. (तद्.) क्षार या खार से युक्त, खारा।

खारेजा पुं. (फा.) जंगली फूल या बर्र, बनकुसुमा।